Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding cut in interest rates in small saving schemes.

श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर): सर, यह सरकार बार-बार दावा करती है कि मोदी जी के नेतृत्व में बहुमत लेकर यह सत्ता में आई है । हिन्दुस्तान के आम लोगों का भरोसा इन लोगों ने हासिल किया है, ठीक है, लेकिन यह भरोसा हासिल करने की बाद इस सरकार ने हिन्दुस्तान के आम लोगों के ऊपर हथौड़ा मारना शुरू कर दिया है । सर, मिसाल के तौर पर आप देखिए कि हिन्दुस्तान में मध्यम वर्ग, रिटायर्ड पर्सन, छोटे-छोटे दुकानदार जो स्मॉल स्केल सेविंग्स पर इन्टरेस्ट के जरिए अपनी जिंदगी गुजारते हैं ।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्य, आपका एम.बी.बी.एस का विषय है, उस पर बोलें ।

श्री अधीर रंजन चौधरी : सर, स्मॉल स्केल सेविंग्स पर जो इन्टरेस्ट है उस पर जोर-शोर से कटौती हो रही है । कौन सी सरकार करती है? जो लोग आम लोगों की सरकार बोलकर अपने को जाहिर करते हैं, उन्हीं लोगों के जमाने में आज सारे स्मॉल स्केल सेविंग्स पर जोर शोर से कटौती हो रही है । ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्य, आपका शून्य काल का विषय एम.बी.बी.एस. उसमें आर्थिक रूप से कमजोर वाला विषय है ।

श्री अधीर रंजन चौधरी: सर, देखिए साल 2014 में जो डिपोजिट स्कीम्स थी, उस पर कांग्रेस की सरकार ने 8.4 परसेंट इन्टरेस्ट दिया था जो आज घटकर 6.9 परसेंट पर आ गया । 5 साल के डिपोजिट पर 8.5 प्रतिशत इन्टरेस्ट दिया जाता था जो आज 7.7 प्रतिशत पर आ गया है । सीनियर सिटिजन सेविंग्ज़ स्कीम पर 9.2 प्रतिशत इन्टरेस्ट दिया जाता था, जो आज 8.9 प्रतिशत पर आ गया है । सर, नेशनल सेविंग्ज़ सर्टिफिकेट पर 8.5 प्रतिशत इन्टरेस्ट हम देते थे जो आज 7.9 प्रतिशत ये देते हैं । एक के बाद एक अब यह पूरा चार्ट मैं आपको दे रहा हूँ । पी.पी.एफ. से लेकर जो स्मॉल स्केल सेविंग्स हैं, सभी में कटौती के चलते आम

लोगों को आज बड़ा कठिनाई का सामना करना पड़ता है । इसके साथ-साथ यह सरकार इकोनोमिक वीकर सैक्शन के लिए जो संरक्षण की बात करते हैं । आज देखिए मेडिकल कॉलेज में पहले राउंड की सारी लिस्ट निकल चुकी है, उसमें इकोनोमिकल वीकर सैक्शन के एक भी बच्चे का नाम एनलिस्ट नहीं है । यह आम लोगों की सरकार है । यह मैं जरूर कह सकता हूँ । सरकार को इस विषय पर ध्यान देना चाहिए और स्मॉल स्केल सेविंग्स वालों को बचाने की कांग्रेस की तरफ से दरख्वास्त करता हूँ ।

माननीय अध्यक्ष : श्रीमती कनिमोझी करुणानिधि, श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुले और कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री अधीर रंजन चौधरी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

श्याम सिंह यादव - उपस्थित नहीं ।